Male Female

Model: M2

SrNo: 101-108-101-1036 / 105 Date: 05/01/2017

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/07/1988	जन्म तिथि	08/02/1990
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:45:00	जन्म समय	21:30:00 घंटे
घटी 12:54:10	जन्म समय(घटी)	36:01:21 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:20	सूर्योदय	07:05:27
19:19:08	सूर्यास्त	18:05:30
23:41:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:21

कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि–स्वामी	चन्द्र
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	पुष्य
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
परिघ	योग	आयुष्मान
बालव	करण	वणिज
टो–टोनी	जन्म नामाक्षर	हो–होमवती
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
गौ	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मेष

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

Male Female

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 10मा 25दि		09:06:40	कन्या		लग्न		कन्या	11:18:46	शनि 6वर्ष 8मा 8दि	
राहु		03:03:21	कर्क		सूर्य		मक	25:54:40	केतु	
14/06/2009		01:19:36	कन्या		चंद्र		कर्क	11:58:17	18/10/2013	
14/06/2027		08:41:22	मीन		मंगल		धनु	13:33:32	18/10/2020	
राहु	25/02/2012	17:10:29	मिथु		बुध		मक	01:50:41	केतु	17/03/2014
गुरु	21/07/2014	05:49:06	वृष		गुरु	व	मिथु	07:31:05	शुक्र	17/05/2015
शनि	26/05/2017	23:55:42	वृष		शुक्र		धनु	27:12:00	सूर्य	22/09/2015
बुध	14/12/2019	03:34:15	धनु	व	शनि		धनु	26:20:49	चन्द्र	22/04/2016
केतु	31/12/2020	21:18:38	कुंभ		राहु		मक	22:46:24	मंगल	18/09/2016
शुक्र	01/01/2024	21:18:38	सिंह		केतु		कर्क	22:46:24	राहु	06/10/2017
सूर्य	25/11/2024	04:14:21	धनु	व	हर्ष		धनु	14:11:24	गुरु	12/09/2018
चन्द्र	27/05/2026	14:37:02	धनु	व	नेप		धनु	19:41:23	शनि	22/10/2019
मंगल	14/06/2027	16:03:40	तुला	व	प्लूटो		तुला	24:01:54	बुध	18/10/2020

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:41:54 चित्रपक्षीय अयनांश **23:43:21**

लग्न–चलित

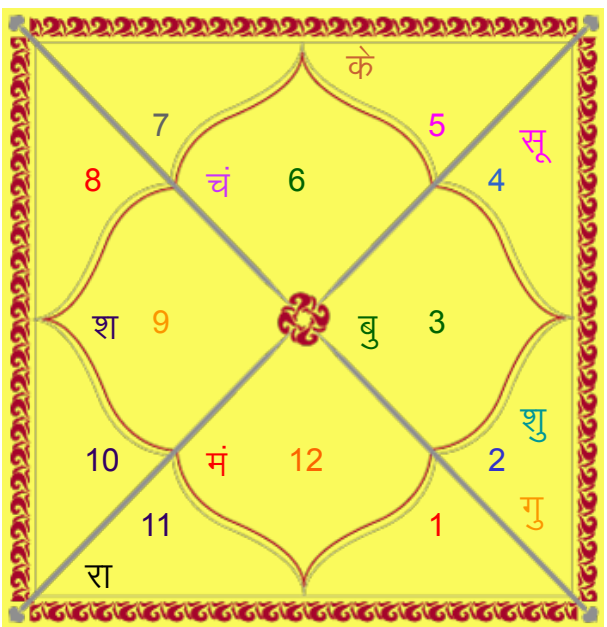

लग्न–चलित

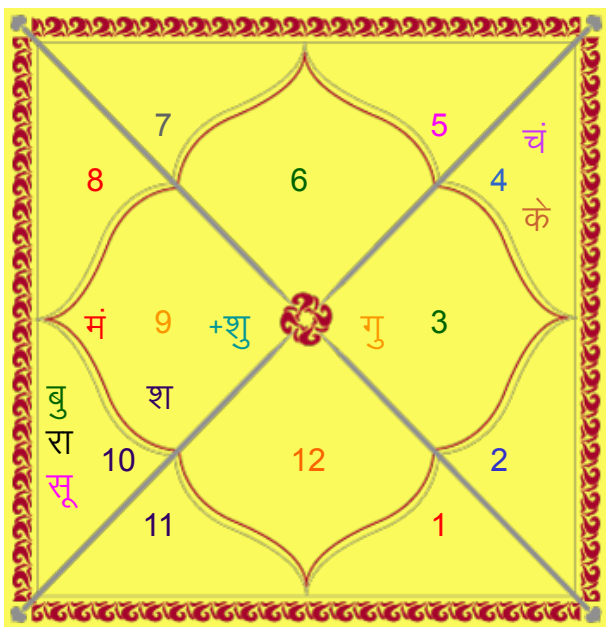

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

Male

Female

चन्द्र कुंडली

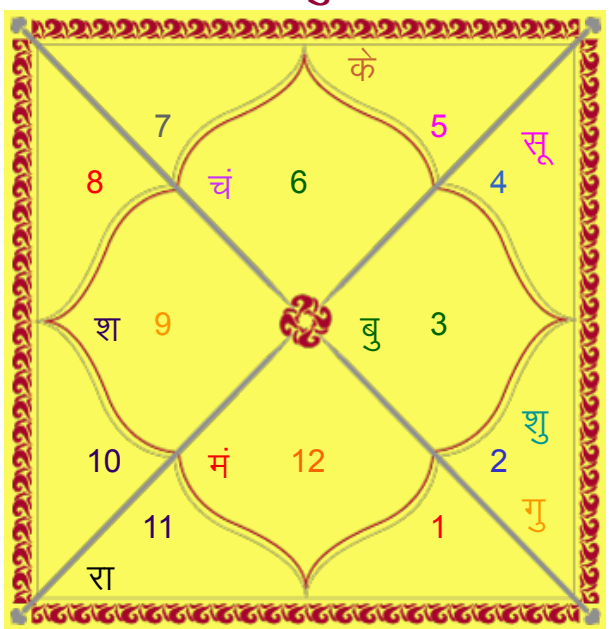

चन्द्र कुंडली

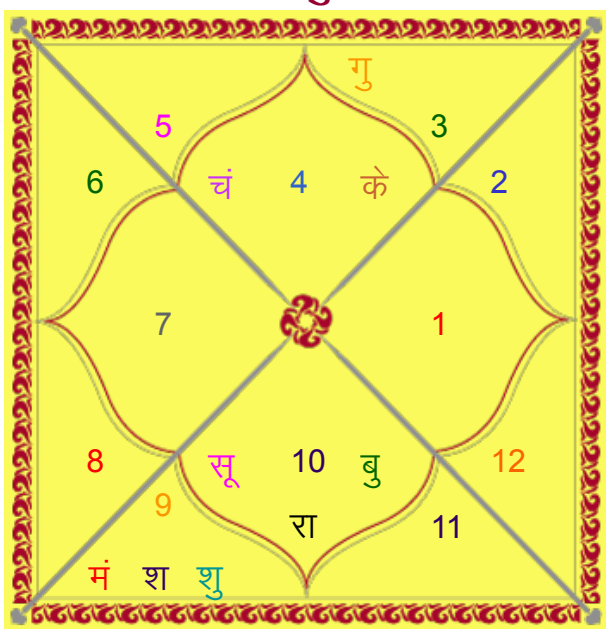

नवमांश कुंडली

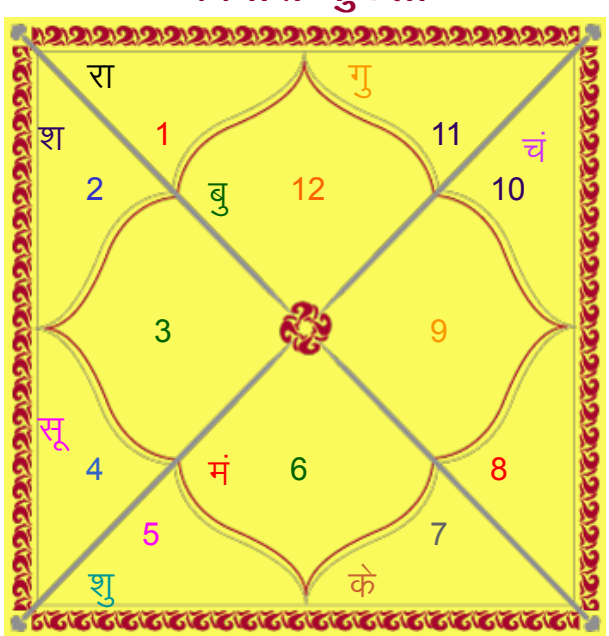

नवमांश कुंडली

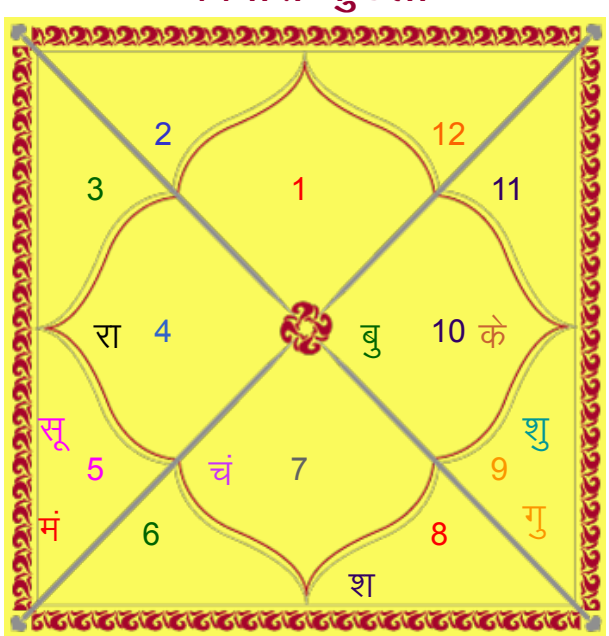

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	——	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	0.00	——	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	——	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	——	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	——	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	——	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	——	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	——	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			**36**	**25.50**		

Male का वर्ग श्वान है तथा Female का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Male और Female का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Female मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Male कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Male कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Male Female

Male तथा Female में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Male की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Female की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जलतत्व में समानताएं होने के कारण Male और Female के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

Male की राशि का स्वामी बुध तथा Female की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही Female Male के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगी जिससे Male को Female से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फलतः एक दूसरे के प्रति सहयोग मित्रता एवं सहयोग के भाव में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख मध्यम रहेगा।

Male एवं Female की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी होगी तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही गुणों पर विशेष ध्यान देकर एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा मानसिक शांति भी बनी रहेगी।

Male का वश्य मानव तथा Female का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं जलचर में असमानता का भाव रहता है। अतः Male और Female के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः धैर्य एवं सावधानी से ही शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

Male का वर्ण वैश्य एवं Female का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Male धनार्जन में प्रवृत होंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। लेकिन Female शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

Male और Female की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Male एवं Female की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Male और Female की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Male को लाटरी या सटटे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Male और Female धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Male की नाड़ी आद्य तथा Female की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Male हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Female को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Male के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Female भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Male और Female को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Male और Female का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की सं ख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Female के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Female को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Male और Female बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Male और Female का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल–सुश्री

Female के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Female किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Female के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Female को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Female को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Female के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Female के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल–श्री

Male के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Male अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Male के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Male के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।